(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

व्यापार व वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए वार्ता

1246. **प्रो. राम बख्श सिंह वर्मा**:

श्रीमती मालती शर्मा:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार एवं वाणिज्यक सहयोग बढ़ाने के संबंध में सचिव स्तर पर वार्ता हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच जिन क्षेतों के संबंध में समझौते हुए है उनका ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्री (श्री राक्मकृष्ण हेगड़े) : (क) से (ग) जी, हां, 23 जून, 1997 की समस्त कार्यसूची के आधार पर भारत और पाकिस्तान के बीच संयूक्ट और समेकित वार्ता प्रक्रिया के एक भाग के रूप में दिनांक 10 नवम्बर, 1998 को दिल्ली में आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग पर विचार-विमर्श आयोजित किए गए थे । उक्त विचार-विमर्श वाणिज्य सचिव के स्तर पर आयोजित किए गए थे ।

दोनो शिष्टमंडलो ने वाणिज्यिक एवं आर्थिक सहयोग । के विभिन्न पहलुओ पर विचारों का आदान-प्रदान किया । दोनों पक्षों ने अंतराष्ट्रीय मचों पर सामाजिक खंडो, पर्यावरणिक मुद्दों इत्यादि जैसे क्षेत्रों में समन्वित दृष्टिकोण तैयार करने के लिए विचार-विमर्श का सिलसिला आगे और बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की । दोनों पक्षों ने बकाया राशियों के समाधान के लिए उपयुक्त क्रियाविधि का पत लगाने के लिए सहमति व्यक्त की । इस बात पर भी सहमती हुयी थी कि रेल मंत्रालय और विधुत मंत्रालय के तकनीकि दल एन क्षेत्रों में वाणिज्यक सहयोग के बारे में विचार-विमर्श करने के लिए दौरा करेंगे । यह निर्णय लिया गया था कि भविष्य में आगे और वार्ताएं आयोजित की जानी चाहिए । तथापि, इन वार्ताओं के दौरान किसी भी करार पर हस्ताक्षर नहीं किए गए थे ।

सोने का आयात

1247. **श्री कपिल सिब्बल**:

श्री राज मोहिन्दर सिंह :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तिय वर्ष दौरान निर्यात जे मुकाबके आयात अधिक होने का अनुमान है;

(ख) यदि हां, तो आयात निर्यात मूल्यों के संबंध में क्या अनुमान है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि आयात में यह वृद्धि सोने के आयात के कारण हुई है; और

(घ) यदि हां, तो आयतित सोने का मूल्य कितना है और स्वर्णाभूषणो- जेवरातों आदि के निर्यात से कितनी धनराशि प्राप्त हुई है?

वाणिज्य मंत्री (श्री राक्मकृष्ण हेगड़े) : (क) जी , हां .

(ख) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के अनन्तिम आंकड़ो के अनुसार अप्रैल-जनवरी, 98-99 के दौरान भारत का आयात और निर्यात क्रमश: 34952 मिलियन डालर और 27158 मिलियन अमरीकी डालर रहा है ।

(ग) और (घ) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के उपलब्ध आकंड़ो के अनुसार अप्रैल – नवम्बर , 98 दौरान सोने का आयात 2983 मिलियन अमरीकी डालर का हुआ है । इसी अवधि के दौरान रत्न तथा आभूषण का निर्यात 3723 मिलियन अमरीकी डालर होने का अनुमान है ।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध

1248. **श्री राज मोहिन्दर सिंह**:

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में प्याज की कीमतों को गिरने से रोकने के लिए गए अनुरोध पर सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया है;

(ख) यदि हां, तो प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाए जाने के समय देश में प्याज का औसत थोक मुल्य कितना था ; और

(ग) प्याज के निर्यात की अनुमति प्रदान कर दिए जाने के बाद प्याज के थोक मूल्य मेम कितनी वृद्धि हुई है?

वाणिज्य मंत्री (श्री राक्मकृष्ण हेगड़े) : (क) जी, हां। सरकार ने दिनांक 1.2.98 को प्याज के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को आंशिक रूप से हटा लिया है। दिनांक 1.2.99 को सरकार ने नेफेड के जरिए बंगलौर रोज के अग्रनीत स्टाक तथा कृष्णापुरम प्याज की अल्प मात्रा और किसी भी किस्म के प्याज की 3000 मी. टन की मात्रा का सरकार-दर-सरकार आधार पर श्रीलंका को निर्यात करने की अनुमति प्रदान की। बाद में, 12.2.99 को सरकार ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा नामित की गई एजेंसी के जरिए 3 माह तक (मई, 1999 तक) प्रति माह 25,000 मीट्रिक टन प्याज के निर्यात की अनुमति देकर उक्त प्रतिबंध मे और अधिक ढील प्रदान की।

(ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 1.2.98 को नासिक की मंडियों के प्याज का थोक मूल्य 251 रू. प्रति क्विंटल से लेकर 411 रू. प्रति क्विंटल तक था। 12.2.99 को जब नासिक में सभी बाजार बंद रहे थे 15.2.99 को जब बाजार पुनः खोले गए, तो प्याज की थोक दर 231 रू. प्रति क्विंटल से लेकर 456 रू. प्रति क्विंटल तक थी।

(ग) 26.2.99 को प्याज का थोक मूल्य 190 रू. प्रति क्विंटल से लेकर 349 रू. प्रति क्विंटल तक था। मूल्य में गिरावट को यह प्रवृति फरवरी, 1999 के उत्तरार्ध में बाजार में आवक बढ़ने के कारण आई है। देश में प्याज के थोक मूल्य पर निर्यात पर लगे प्रतिबंध में दी गई ढील के प्रभाव को सुनिश्चित करना समयपूर्व होगा।

यूरोपीय देशों को किए जाने वाले निर्यात

1249. **श्री ईश दत्त यादव**:

चौधरी हरमोहन सिंह यादव:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यूरोपीय देशों के बाजारों में भारतीय माल के निर्यात में कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण है; और

(ग) विदेशी बाजारों को भारतीय माल के निर्यात में वृद्धि करने के लिए सरकार का क्या कार्रवाई करने का विचार है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री राक्मकृष्ण हेगड़े) : (क) चालू वित्तिय वर्ष के पहले 8 महीनोम के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना मेम यूरोपीय देशों को हुए भारतीय वस्तु के निर्यात निम्ननुसार हैः—

वर्ष	**यूरोपीय देशों को निर्यात (करोड़ रु. में)**	**यूरोपीय देशों को निर्यात (मिलि. अमरीकी डालर में)**
1998-99 (अप्रैल-नवम्बर)	25,232.48	6,027.94
1997-98 (अप्रैल-नवम्बर)	22,848.81	6,325.18

आकड़ा स्रोतः डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता

हालांकि अप्रैल-नवम्बर, 1998 की अवधि के दौरान यूरोपीय देशों को हुए भारतीय वस्तुओं के निर्यातों मे 1997 की अवधि में हुए निर्यातों की तुलना में डालर के रूप में 4.70% की कमी आई है, तथापि रूपए के रूप में इसमें 10.43% की वृद्धि हुई है।

(ख) यूरोपीय देशों में व्याप्त मंदी की प्रवृति का यूरोपीय बाजार में समग्र आयोतों पर मंदी कारी प्रभाव पड़ा है। इसके अतिरिक्त पूर्वी एशियाई मुद्राओं के मूल्य में आयी गिरावट से भी भारतीय निर्यातों, विशेष रूप से वस्त्र तथा चमड़ा विनिर्माण के क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

यूरोपीय देशों को डालर के रूप में निर्यातों में आयी गिरावट का कारण आर एम जी काटन / आनुंषगिक वस्तुएं (13.93% तक गिरावट) सूती यार्न/ फैब्रिक्स / मेड अप्स (17.34% तक गिरावट) औषधि / भेषजीय/ परिष्कृत रसायन (9.22% तक गिरावट) चर्म परिधान (9.86 % तक गिरावट) मानव निर्मित यार्न / फैब्रिक्स / मेड अप्स (17.80% तक गिरावट) और परिवहन उपकरण (28.18 % तक गिरावट) के क्षेत्रों में भारतीय निर्यातोम में मंदी का होना भी है।

(ग) विदेशी बाजारों को भारतीय वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। सरकार इस दिशा में विभिन्न उपाय कर रही है। इनमें ये शामिल हैः सरकारी तथा व्यापारिक दोनों स्तरों पर व्यापारिक